उच्चतर शिक्षा विभाग

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन

देश में स्कूली शिक्षा एवं उच्चतर शिक्षा का तीव्र विस्तार हुआ है। इस विस्तार के साथ, शिक्षा की गुणवत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में शिक्षक का सबसे बड़ा योगदान होता है। अत: शिक्षक का प्रशिक्षण, शिक्षक के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्व विद्यालयों में कार्य संस्कृति में सुधार, उनकी पेशेवर प्रगति अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि देश के प्रतिभावान छात्र, शिक्षण के क्षेत्र में आकर, आने वाली पीढ़ियों को दिशा प्रदान करें।

अत: भारत सरकार, उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन की शुरूआत कर रही है। इस योजना के मद में कुल 900 करोड़ रुपए 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान रखे गए हैं।

यह मिशन शिक्षक, शिक्षण, शिक्षकों के प्रशिक्षण तथा उनके पेशेवर विकास से संबंधित मुद्दों को व्यापक रूप से लक्षित करेगा। साथ ही इस मिशन के तहत पाठ्यक्रम डिजाईन, मूल्यांकन डिजाईन एवं विकास, शिक्षण शास्त्र में अनुसंधान तथा प्रभावी शिक्षण शास्त्र का विकास भी होगा। मिशन का लक्ष्य एक तरफ, वर्तमान एवं तात्कालिक मुद्दों जैसे कि प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता, प्रतिभाओं को शिक्षण के लिए प्रोत्साहित करना तथा विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता को उन्नत करना है। वहीं दूसरी तरफ, मिशन दूरगामी लक्ष्यों जैसे कि शिक्षकों का एक सुदृढ़ प्रशिक्षित कैडर तैयार करने के लिए मापदण्ड तय करना तथा शिक्षकों की अभिनव एवं पेशेवर प्रगति के लिए उच्च स्तरीय संस्थानिक सुविधाओं की उपलब्धता, सुनिश्चित करेगा।

यह मिशन स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा इत्यादि को अलग-अलग न मानकर, पूर्ण शिक्षा व्यवस्था को पूर्णतावादी तरीके से फोकस करेगा जिससे उपर्युक्त लक्ष्यों को बेहतरीन तरीके से हासिल किया जा सके। इस मिशन के जरिए, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि वर्तमान में शिक्षक एवं शिक्षण से संबंधित योजनाओं में तारतम्य स्थापित हो जिससे कि सभी योजनाएं प्रभावी तौर से अपने-अपने क्षेत्र में कार्य कर सकें।

मिशन के निम्नलिखित घटक होंगे:-

i. शिक्षा के स्कूल (केंद्रीय विश्वविद्यालयों में)- 30
ii. पाठ्यचर्या और शिक्षा-शास्त्र के लिये उत्कृष्टता केंद्र -50
iii. अध्यापक शिक्षा के लिये अंतर-विश्वविद्यालयी केंद्र - 2
iv. राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र -1
v. अकादमिक नेतृत्व और शिक्षा प्रबंधन केंद्र - 5
vi. अभिनवशीलता, पुरस्कार, अध्यापन संसाधन अनुदान और कार्यशाला तथा संगोष्ठी
vii. पाठ्यचर्या नवीनीकरण और सुधारों के लिये विषयगत नेटवर्क